मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1998 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

11 नवम्बर, 2025

हमीदिया गर्ल्स' डिग्री कॉलेज में 'नवा–ए–उर्दू' सप्ताह के अन्तर्गत "राष्ट्रीय शिक्षा दिवस "का भव्य आयोजन

"देश को आगे बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण आवश्यक है : प्रोफेसर सत्यकाम

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संघटक अल्पसंख्यक महाविद्यालय हमीदिया गर्ल्स' डिग्री कॉलेज में "नवा–ए–उर्दू" सप्ताह के अन्तर्गत दिनांक 11 नवम्बर 2025 को "राष्ट्रीय शिक्षा दिवस" के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन महाविद्यालय के स्वर्ण जयंती वर्ष के अंतर्गत हुआ, जिसमें सत्र 2023–24 और 2024–25 के गोल्ड मेडलिस्ट टॉपर्स को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे प्रोफेसर सत्यकाम, माननीय कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं प्रोफेसर शबनम हमीद, पूर्व विभागाध्यक्ष, उर्दू विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज।

मुख्य अतिथि प्रोफेसर सत्यकाम जी ने अपने संबोधन में कहा कि "मौलाना आज़ाद ने एक शिक्षित और प्रगतिशील भारत का सपना देखा था, जो आज भी अधूरा है। हमें उस भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ना होगा।" उन्होंने कहा कि "देश को आगे बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण आवश्यक है कृ अंधविश्वास या अवैज्ञानिक सोच से कोई राष्ट्र प्रगति नहीं कर सकता।"

उन्होंने छात्राओं से कहा कि व्यावसायिक शिक्षा को अपनाएँ, क्योंकि यही सशक्त राष्ट्र निर्माण की कुंजी है। प्रेमचंद की कहानी 'खून का कतरा' का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि "शिक्षा से बड़ा कोई औज़ार नहीं है; इसी के माध्यम से हम राष्ट्र को प्रगति की राह पर आगे ले जा सकते हैं।"

प्रो. शबनम हमीद ने अपने प्रेरक वक्तव्य में कहा कि "हम आज मौलाना अबुल कलाम आज़ाद कृ जो भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री थे कृ की जयंती को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मना रहे हैं, क्योंकि उन्होंने शिक्षा और जीवन के जिस दृष्टिकोण का परिचय दिया, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है।" उन्होंने कहा कि मौलाना आज़ाद का साहित्य कृ विशेष रूप से 'गुबार–ए–ख़ातिर' कृ आज भी हमारे विचार और समाज दोनों को आलोकित करता है।

कार्यक्रम का स्वागत भाषण कॉलेज की प्राचार्या प्रो. नासेहा उस्मानी ने दिया। उन्होंने कॉलेज की स्थापना से लेकर अब तक की उपलब्धियों, शैक्षणिक प्रगति और राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के साथ संस्थागत सहयोग पर प्रकाश डाल।

अर्थशास्त्र विभाग की डॉ गुलशन अख्तर एवं मध्यकालीन इतिहास विभाग की डॉ नुज़हत फातिमा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित बेगम खुर्शीद ख्वाजा स्मृति राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता का पुरस्कार प्रदान किया गया । विजेता प्रतिभागी–अभिकेन्द्र मौर्य (सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय) दृ प्रथम स्थान 10000/– की धनराशि एवं प्रमाण पत्र, सायमा हक़ (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली) दृ द्वितीय स्थान 6000/– की धनराशि एवं प्रमाण पत्र, अनुराधा पटेल (इलाहाबाद विश्वविद्यालय) दृ तृतीय स्थान 4000 /– की धनराशि एवं प्रमाण पत्र, सांत्वना पुरस्कार–सर्ताज सिंह (पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़), जाकिया बिलाल (हमीदिया गर्ल्स डिग्री कॉलेज, प्रयागराज), आसिया समरीन (बीबी रज़ा डिग्री कॉलेज, कर्नाटक), इस अवसर पर सत्र 2023दृ24 एवं 2024दृ25 के गोल्ड मेडलिस्ट छात्राओं को भी सम्मानित किया गया।

देश को आगे बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण आवश्यक है : प्रोफेसर सत्यकाम

मुख्य अतिथि प्रोफेसर सत्यकाम जी ने अपने संबोधन में कहा कि "मौलाना आज़ाद ने एक शिक्षित और प्रगतिशील भारत का सपना देखा था, जो आज भी अधूरा है। हमें उस भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ना होगा।" उन्होंने कहा कि "देश को आगे बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण आवश्यक है – अंधविश्वास या अवैज्ञानिक सोच से कोई राष्ट्र प्रगति नहीं कर सकता।"

उन्होंने छात्राओं से कहा कि व्यावसायिक शिक्षा को अपनाएँ, क्योंकि यही सशक्त राष्ट्र निर्माण की कुंजी है। प्रेमचंद की कहानी 'खून का क़तरा' का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि "शिक्षा से बड़ा कोई औज़ार नहीं है; इसी के माध्यम से हम राष्ट्र को प्रगति की राह पर आगे ले जा सकते हैं।"

2023–24 सत्र में टी. आर. शेरवानी मेमोरियल गोल्ड मेडल से आतिका फ़ुकैहा और सान्या शर्मा को सम्मानित किया गया। कनीज़ ज़ोहरा मेमोरियल गोल्ड मेडल कॉमर्स की छात्रा को मिला, जबकि मस्सर्रत फ़ातिमा मेमोरियल गोल्ड मेडल बी.वोक. की छात्रा अरीशा अब्दीन को 87.49: (सीजीपीए 9.21) अंकों के साथ प्रदान किया गया। क़ुदसिया बेगम मेमोरियल गोल्ड मेडल अंग्रेज़ी विषय में आयशा नसीर (63.33:) को मिला। प्रो. चंद्रा पंत मेमोरियल गोल्ड मेडल मध्यकालीन इतिहास में अदीबा अब्दिन (68.14:) को मिला। क़ुतुब जहाँ मेमोरियल गोल्ड मेडल भूगोल विषय में माहे नूर (59.18:) को प्राप्त हुआ। आलिया बेगम मेमोरियल गोल्ड मेडल एम.ए. मध्यकालीन इतिहास में आयशा अंसारी (79.8:) को दिया गया। आबीदा खातून मेमोरियल गोल्ड मेडल एम.ए. उर्दू की टॉपर फ़िज़ा आसिया (82.08:) को मिला। वहीं 2024द्25 सत्र में टी. आर. शेरवानी मेमोरियल गोल्ड मेडल अफ़ीफ़ा बानो को बी.ए. तृतीय वर्ष टॉपर के रूप में प्रदान किया गया। कनीज़ ज़ोहरा मेमोरियल गोल्ड मेडल कॉमर्स की सिदरा ख़ान (64.83:) को मिला। मस्सर्रत फ़ातिमा मेमोरियल गोल्ड मेडल बी.वोक. की सावेदा ज़ेबैश फ़ातिमा अब्दी (85.88:, सीजीपीए 9.04) को मिला। क़ुदसिया बेगम मेमोरियल गोल्ड मेडल अंग्रेज़ी विषय में शबीना परवीन (67.03:) को प्राप्त हुआ। प्रो. चंद्रा पंत मेमोरियल गोल्ड मेडल इतिहास विषय में तस्मिया फ़ातिमा (61.62:) को मिला। क़ुतुब जहाँ मेमोरियल गोल्ड मेडल भूगोल विषय में इक़रा फ़ातिमा (66.6:) को मिला। आलिया बेगम मेमोरियल गोल्ड मेडल एम.ए. मध्यकालीन इतिहास में ज़ोहरा फ़ातिमा (75:) को दिया गया।
आबीदा खातून मेमोरियल गोल्ड मेडल एम.ए. उर्दू की सारा हसन (82.3:) को मिला। इसके अतिरिक्त डॉ. रेहाना तारिक मेमोरियल गोल्ड मेडल बी.ए. उर्दू विषय की अफ़ीफ़ा बानो को प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का संचालन अंग्रेज़ी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर प्रो. सबीहा आज़मी ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. ज़रीना बेगम, एसोसिएट प्रोफेसर, उर्दू विभाग ने प्रस्तुत किया।
इस अवसर पर डॉ. अब्दुर्रहमान और डॉ. सफीना समावी (राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय) भी उपस्थित रहीं। महाविद्यालय के शिक्षिकाओं और छात्राओं की सक्रिय भागीदारी के साथ कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा। पूरा परिसर उत्साह, गर्व और प्रेरणा से भरा रहा।